VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N
16 AUG 2023
No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2421)

Name of Candidate	KPARIKSHIT		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	683437
Center	MN	Date	16/08/23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) दुनिया भर के समाजों में मूल्यों में निरंतर नैतिक गिरावट हो रही है और अब समय आ गया है कि शिक्षकों को आगे आकर व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक नैतिक मूल्यों को विकसित करने के लिए मनुष्यों की इच्छा को फिर से जागृत करने का प्रयास करना चाहिए। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि देश में बदलते सामाजिक परिदृश्य के मद्देनजर, मूल्यों की शिक्षा युवाओं के लिए न केवल कुशल बल्कि नैतिक रूप से मजबूत पेशेवर बनने हेतु तकनीकी शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण है। व्याख्या कीजिए।

Societies across the world are witnessing a gradual moral decline in values and it is time that educators stepped in and made efforts to rekindle the desire of human beings to develop personal, social, and professional moral values. Do you agree that in the wake of changing social landscape in the country, value education is as important as technical education for the youth to become not only skilled but also morally strong professionals? Explain. (Answer in 150 words) 10

मूल्य ~~नैतिक~~ उन मानदंड या सिद्धांतों को कहते हैं जिनके आधार पर मानवीय जीवन में सही गलत का निर्णय किया जाता है।

वर्तमान में वैश्वीकरण के कारण बदले सामाजिक परिदृश्य में 'मूल्यों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

सकारात्मक मूल्य

निम्न कौशल ←		→ उच्च कौशल
	उच्च मूल्य निम्न कुशलता (सुधार संभव)	उच्च मूल्य उच्च कुशलता (The Best)
	निम्न मूल्य निम्न कुशलता	निम्न मूल्य उच्च कुशलता (The worst)

नकारात्मक मूल्य

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पेशेवरों के लिए मूल्यों की शिक्षा का महत्व

① यह व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक हितों के मध्य की टकराहट को कम करने में सक्षम है।

② पेशेवरों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा से 'भ्रष्ट गतिविधियों' में लिप्त होने से बचाया जा सकता है।

③ पेशेवरों में 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' के विकास हेतु जरूरी।

④ समाज में 'आपसी सौहार्द' को बढ़ावा।

⑤ 'आत्म सिद्धि' की प्राप्ति हेतु जरूरी।

वर्तमान उपभोक्तावादी संस्कृति में जहाँ 'व्यक्तिगत लालच' को वरीयता दी जाती है, वहाँ महात्मा गांधी के 7 अपराधों में से एक 'नैतिकता के बिना व्यापार' पर गौर कर नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जानी जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) गुरु नानक देव जी का मानना था कि धर्म, जाति और लिंग पर ध्यान दिए बिना, प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों का भला करना चाहिए और केवल तभी उसे बदले में भलाई मिल सकती है। गुरु नानक देव की महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो वर्तमान युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

Guru Nanak Dev ji believed that despite religion, caste, and gender, everyone should seek well for others and only then one can have that goodness back in return. Discuss the important teachings of Guru Nanak Dev ji relevant to the youth of today. (Answer in 150 words)10

गुरु नानक देव जी सिक्ख धर्म के संस्थापक होने के साथ-साथ निर्गुण भक्ति शाखा के प्रमुख स्तंभकार भी थे। इनकी शिक्षायें वर्तमान में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं →

① भेदभाव उन्मूलन → इन्होने प्रत्येक व्यक्ति के साथ समान आचरण को बढावा दिया। साथ ही निम्न जातियों के खिलाफ होने वाली अस्पृश्यता के उन्मूलन पर जोर दिया।

② सेवा भाव → 'लंगर' (मुफ्त खाना) की मदद से भूखों को खाना खिलाकर लोगों में सेवा भाव जाग्रत करने का प्रयास।

③ अंधविश्वासों का विरोध → इन्होने मूर्तिपूजा ~~को बढावा दिया~~। का विरोध किया। इसी तरह तर्क पर बल देकर समाज में 'वैज्ञानिक सोच

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को बढ़ावा दिया।

④ काम, क्रोध, अहंकार, लोभ तथा मोह जैसी पाँच बुराइयों का अंत करने पर जोर दिया। इस तरह इन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर आंतरिक शुद्धता को बढ़ावा दिया।

⑤ भाईचारे को बढ़ावा → समाज में ऊँच-नीच का विरोध कर सभी के बीच भाईचारे की भावना का समर्थन।

इस तरह गुरुनानक देव जी की शिक्षाओं पर अमल करते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। जो अंततः सतत पोषणीय लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति में सहायक होगा।

2. (a) घर से काम करने की संस्कृति, जिसे कोविड-19 महामारी के प्रसार के साथ व्यापक स्वीकृति मिली है, ने निजी संगठनों में कई नैतिक चिंताएं उत्पन्न की हैं, जिनमें मूनलाइटिंग (दो नौकरियां करना) प्रमुख चिंताओं में से एक है। क्या आपको लगता है कि किसी कर्मचारी के लिए मूनलाइटिंग करना नैतिक है? चर्चा कीजिए।

The 'work from home' culture that gained wide acceptance with the outbreak of the COVID-19 pandemic has led to many ethical concerns for private organizations with moonlighting being one of the most prominent ones. Do you think that it is ethical for an employee to practice moonlighting? Discuss. (Answer in 150 words)10

मूनलाइटिंग से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जिसमें व्यक्ति अपनी फुल टाइम जॉब के अतिरिक्त बचे हुए समय में किसी अन्य संस्थान में भी कार्य करता है। अर्थात् एक साथ 2 या अधिक नौकरी करना।

कोविड-19 जनित लॉकडाउन में 'वर्क from होम' की संस्कृति से कर्मचारियों पर संगठन की निगरानी में कमी ने मूनलाइटिंग को बढ़ावा दिया है। इसे निम्न आधार पर नैतिक ठहराया जाता है →

(1) आय का अतिरिक्त स्रोत → इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलता है साथ ही कर्मचारी के जीवन स्तर में सुधार।

(2) अतिरिक्त कौशल की प्राप्ति → नए संगठन

2421
VISION IAS™
Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

में कार्य से नए कौशल की प्राप्ति।

③ नया कौशल प्राप्त करने से नौकरी में परिवर्तन करना आसान।

हालाँकि मूनलाइटिंग में कुछ समस्याएं भी विद्यमान हैं →

① गोपनीयता का उल्लंघन → एक कंपनी की गोपनीय सूचना को दूसरी कंपनी को दिया जा सकता है।

② कर्मचारी की दक्षता प्रभावित → क्योंकि कार्य के अतिरिक्त घंटो में भी आराम की बजाए कार्य।

③ कर्मचारी की मानसिक स्थिति बिगड़ने की संभावना → पर्याप्त आराम नहीं।

④ एक कंपनी के संसाधनों का दुरुपयोग → दूसरी कंपनी के कार्य में उनका उपयोग

⑤ किसी कानून का अभाव भी नैतिक दुविधा उत्पन्न करता है।

अतः सरकार द्वारा मूनलाइटिंग के संबंध में एक समग्र कानून बनाकर इसमें निहीत चिंताओं का समाधान करना चाहिए।

2. हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई संस्थान कार्यरत हैं, फिर भी, राष्ट्र अपने हितों की पूर्ति हेतु अक्सर नैतिक मूल्यों और इन संस्थानों के दिशा-निर्देशों की उपेक्षा कर देते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

While there are multiple institutions to ensure fairness in international relations, states often put aside moral values and the directions of these institutions for their own interests. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)10

निष्पक्षता एक प्रकार की वस्तुनिष्ठता होती है जिसमें किसी भी पक्ष से प्रभावित हुए बिना तथ्यों के आधार पर निर्णय लिया जाता है।

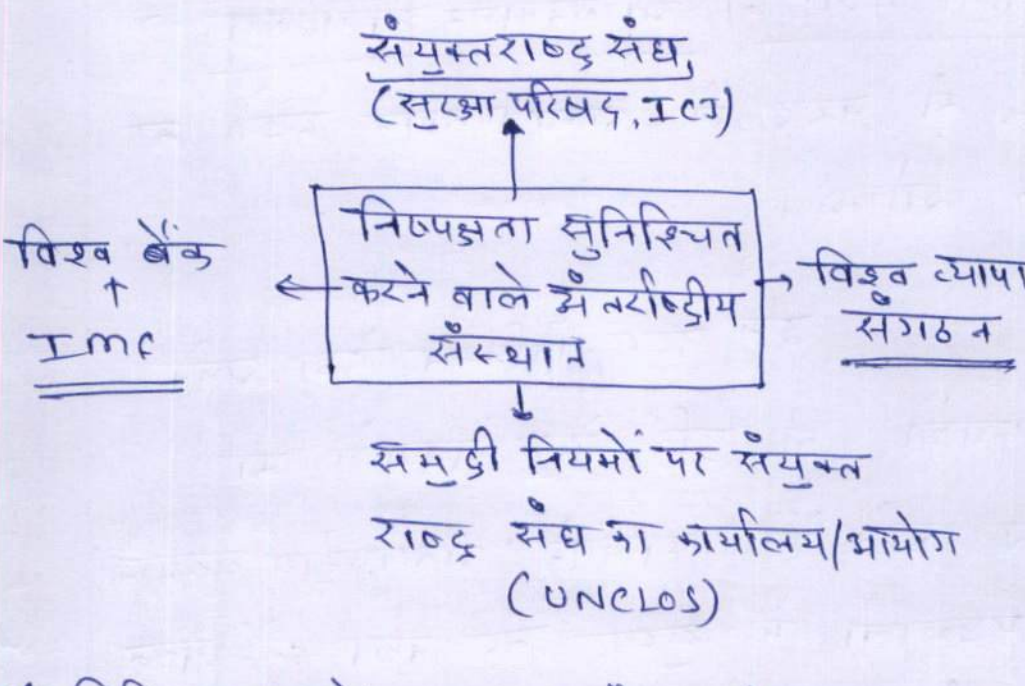

* **विभिन्न राष्ट्रों द्वारा उल्लंघन के कारण**

① वैश्विक महाशक्ति बनने की होड़ → यही कारण है कि चीन द्वारा दक्षिणी चीन सागर में मध्यस्थता कोर्ट के 'नाइन डैश लाइन' संबंधी निर्णय का उल्लंघन किया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) आर्थिक हित → चीन द्वारा भारत में अपने उत्पादों की डंपिंग करना, साथ ही 'Rule of origin' का उल्लंघन।

(3) जापान द्वारा 'व्हेल' मछली के शिकार पर प्रतिबंध नहीं लगाना (जबकि ~~व्हेली~~ व्हेलिंग पर ~~व~~ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोक लगा दी गई है)

(4) विकसित देशों की औपनिवेशिक मानसिकता → MNCs की मदद से अल्प विकसित देशों का आर्थिक शोषण।

इस तरह विभिन्न देश अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु नियमों का उल्लंघन करते हैं। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कार्यप्रणाली में सुधार कर तथा इन्हें अधिक शक्तिशाली बनाकर ~~इस~~ उल्लंघन में कमी लाई जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमानी से कार्य करने के लिए बुद्धिमत्ता से अधिक की आवश्यकता होती है।" - फ्योदोर दोस्तोयेव्स्की

"It takes something more than intelligence to act intelligently." – Fyodor Dostoyevsky (Answer in 150 words)10

बुद्धिमत्ता से तात्पर्य ~~उपलब्ध~~ किसी परिस्थिति में उपलब्ध विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ विकल्प को सबसे पहले चयन कर उस परिस्थिति से निकलना है।

उपरोक्त कथन में किसी कार्य को संपन्न करने के लिए 'बुद्धि' के अतिरिक्त अन्य आवश्यकताओं की जरूरत पर जोर दिया गया है। ये आवश्यकतायें निम्न हो सकती हैं →

① भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) → टीम के रूप में कार्य करते समय बाकि सदस्यों की भावनाओं को समझकर उनके प्रयासों को लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अग्रेसित करने के लिए जरूरी

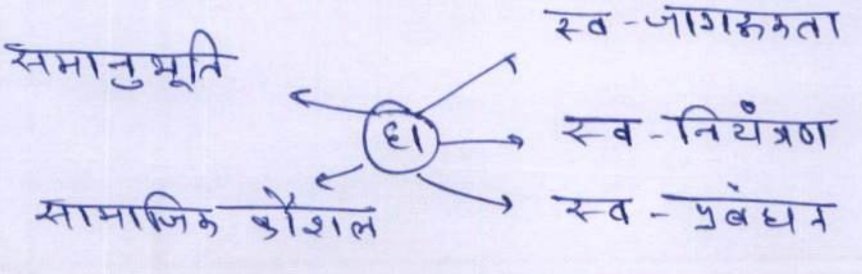

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② अंतप्रज्ञा / अंतरात्मा की आवाज → प्रशासकों द्वारा विवेकाधिकार का उपयोग करते हुए 'ग्रे areas' में काम करते समय अंतरात्मा की आवाज को सुनना जरूरी होता है।

③ इसके अतिरिक्त करुणा, समानुभूति जैसे मूल्यों का होना भी आवश्यक है → यह प्रशासन में कल्याणकारी स्वरूप अपनाने के लिए जरूरी है।

④ जिन परिस्थितियों में निर्णय लिया जा रहा है उन परिस्थितियों की उपयुक्त समझ होना भी जरूरी है।

इस तरह सिर्फ बुद्धि का होना पर्याप्त नहीं है इसे संपूर्णता प्रदान करने के लिए व्यक्ति में नैतिक मूल्यों का होना भी जरूरी है।

2421

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "एक लोकप्रिय सरकार, बिना लोकप्रिय जानकारी के, या इसे प्राप्त करने के साधनों के, एक ढोंग की शुरुआत या एक त्रासदी; या संभवत: दोनों है।" - जेम्स मैडिसन

"A popular government, without popular information, or the means of acquiring it, is but a prologue to a farce or a tragedy; or perhaps both." – James Madison (Answer in 150 words) 10

लोकप्रिय सरकार से तात्पर्य ऐसी सरकार से है जो जनता की भलाई के लिए कार्य करती हो।

उपरोक्त कथन में लोकप्रिय सरकार बनने के लिए 'सूचनाओं' के महत्व पर जोर दिया गया है।

लोकप्रिय जानकारी की जरूरत क्यों?

① इससे लक्षित नीति-निर्माण में मदद मिलती है।

② संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

③ जनता की भागीदारी बढ़ती है फलत: समावेशी लोकतंत्र को बढ़ावा मिलता है।

2421
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) पारदर्शिता के साथ-साथ जवाबदेही तय करने में आसानी होती है।

* लोकप्रिय जानकारी का अभाव त्रासदी क्यों?

(1) इससे जनता की जरूरतों को समझ पाना मुश्किल हो जाता है → लक्षित नीति-निर्माण नहीं हो पाता।

(2) जनता-सरकार के मध्य दूरियाँ बढ़ती हैं।

(3) संसाधनों के दुरुपयोग को बढ़ावा मिलता है।

(4) कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता में कमी आती है।

अत: लोकप्रिय सरकार के लिए जरूरी है कि वह नीति-निर्माण के समय विभिन्न सूचनाओं की मदद ले।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (c) "चरित्र को अनुनय का लगभग सबसे प्रभावी साधन कहा जा सकता है।" - अरस्तू

"Character may almost be called the most effective means of persuasion." – Aristotle (Answer in 150 words) 10

चरित्र उन स्थिर विशेषताओं (शारीरिक, मनोवैज्ञानिक व व्यवहारिक) का समूह है जो किसी व्यक्ति को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

अनुनय से तात्पर्य किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति परिवर्तन हेतु किया गया सायास प्रयास।

चरित्र अनुनय हेतु अरस्तू द्वारा बताए गए 3 साधनों में से एक है।

चरित्र अनुनय का प्रभावी साधन कैसे?

① वर्तमान में किसी विज्ञापन के दौरान प्रसिद्ध हस्तियों का इस्तेमाल चरित्र के महत्व को दर्शाता है।

जैसे → क्रिकेटर विराट कोहली द्वारा 'प्यूमा' ब्रांड का विज्ञापन।

② प्रसिद्ध व्यक्तित्व को समाज में रोल मॉडल माना जाता है अतः उनके द्वारा कही

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गई बात को लोग ज्यादा जल्दी अपनाते हैं।

(3) चरित्र के अलावा 'तर्क पर आधारित बात तथा लक्षित व्यक्ति को वार्तालाप के दौरान 'Conscious' न होने देना भी अनुनयन हेतु जरूरी है।

(4)

इस तरह वर्तमान में लोगों के पूर्वाग्रहों को समाप्त करने या 'व्यवहारात्मक परिवर्तन हेतु अनुनयन को प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाया जा रहा है।

4. (a) हालांकि, निष्पक्षता को लोक सेवा के लिए प्रमुख नैतिक मूल्यों में से एक के रूप में निर्धारित किया गया है, फिर भी इसे लोक सेवाओं में करुणा के प्रति बाधक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। चर्चा कीजिए।

While impartiality has been identified as one of the key ethical values for public service, it should not be seen as precluding compassion in public services. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words)10

निष्पक्षता से तात्पर्य किसी भी पक्ष से प्रभावित हुए बिना तथ्यों के आधार पर निर्णय लेना है। यह एक प्रकार की वस्तुनिष्ठता है।

जबकि करुणा से तात्पर्य पीड़ित व्यक्ति की पीड़ा को समझना तथा उसे इस परिस्थिति से बाहर निकालने का प्रयास करना है।

लोक सेवक में इन दोनों मूल्यों का होना अत्यंत जरूरी है।

उदा. →

निष्पक्षता	करुणा
• आपदा के दौरान लाभार्थियों की पहचान या उन तक मदद पहुँचाते समय लिंग, जाति, निवास या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव से	• ~~विभिन्न वर्ग~~ • आपदा के दौरान मदद पहुँचाते समय विभिन्न वर्गों के लिए प्राथमिकता निर्धारण में मददगार जैसे → गर्भवती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बचने के लिए जरूरी	महिलाओं को प्राथमिकता देना।

• इस तरह निष्पक्षता, लोकतंत्र में भेदभाव को समाप्त करने के लिए जरूरी है, तो करुणा लोक सेवाओं को कल्याणकारी बनाकर समावेशी विकास को बढावा देती है।

इस तरह 2nd ARC के मुताबिक लोक सेवकों में 'करुणा' का अभाव है। अतः प्रशिक्षण या नैतिक शिक्षा के माध्यम से प्रशासकों में यह मूल्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** प्रशासकों द्वारा धारित शक्ति यदि सही तरीके से प्रयोग की जाए तो देश को महान लाभ प्रदान कर सकती है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया जाए तो क्षति और अपमान का कारण बन सकती है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

The power, which administrators wield, can bring the nation great dividends if rightly used, but can bring harm and disrepute if abused. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

प्रशासकों द्वारा नीति-निर्माण में भागीदारी के साथ-साथ नीतियों का क्रियान्वयन भी किया जाता है। अतः इनके द्वारा कई शक्तियों को धारित किया जाता है।

★ शक्तियों के उचित प्रयोग से लाभ

① आर्मस्ट्रांग पामे द्वारा वित्त के अभाव में क्राउड फंडिंग द्वारा 'Peoples Road' का निर्माण (समावेशी विकास को बढ़ावा)

② नरेन्द्र कुमार, द्वारा मध्यप्रदेश के मुरैना में खनन माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही (समाज में व्याप्त बुराइयों का अंत)

③ पंजाब के मोहाली में बाढ़ के दौरान वहां की IAS अधिकारी द्वारा कैम्पों में जाकर 'सैनिटरी पैड्स' का वितरण। (सामाजिक संवेदीकरण)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन कर सामाजिक कल्याण को बढ़ावा।

* शक्ति का दुरुपयोग

(1) देश की संस्कृति को नुकसान → दिल्ली में IAS अधिकारी द्वारा 15वीं सदी के स्मारक को तुड़वाकर स्वयं के बंगले का निर्माण।

(2) भ्रष्टाचार को बढ़ावा → छत्तीसगढ़ कैडर की पूजा सिंह के पास ED द्वारा करोड़ो की अवैध संपत्ति का खुलासा।

(3) संसाधनों का दुरुपयोग → दिल्ली में IAS दंपत्ति द्वारा अपने कुत्ते को घुमाने के लिए स्टेडियम में लोगों की एंट्री बंद।

इस तरह प्रशासकों द्वारा शक्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिए अनु. 311 में संशोधन की जरूरत है।

5. (a) 'सामाजिक जवाबदेही' पद से आप क्या समझते हैं? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए और किसी भी सामाजिक जवाबदेहिता संबंधी पहल की सफलता हेतु उत्तरदायी प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए।

What do you understand by the term 'social accountability' and what is its significance? Discuss the critical factors responsible for the success of any social accountability initiative. (Answer in 150 words)10

सामाजिक जवाबदेही, जवाबदेही का एक प्रकार है, जिसमें विभिन्न नागरिक संस्थाओं जैसे NGO, VO आदि द्वारा सक्रिय भूमिका निभाकर प्रशासकों / राजनेताओं की जवाबदेही तय की जाती है।

सामाजिक जवाबदेही का महत्व,

1. यह समावेशी लोकतंत्र को बढ़ावा देती है।
2. इससे नागरिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है।
3. प्रशासन में पारदर्शिता व जवाबदेही की संस्कृति जन्म लेती है।
4. संस्थाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है।

पहल की सफलता हेतु उत्तरदायी कारक,

(1) विभिन्न नागरिक संस्थाओं (NGO, स्वैच्छिक संगठन) द्वारा सक्रिय भूमिका निभाना।

(2) प्रशासकों द्वारा 'पारदर्शिता' की संस्कृति को अपनाना।

(3) राजनीतिक शुचिता को बढ़ावा देना।

(4) जनता को जागरूक करना।

सरकार द्वारा 'सूचना का अधिकार' जन सूचना पोर्टल जैसी पहलों के माध्यम से प्रशासन में जवाबदेहिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। हालांकि इन कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) डेटा संचालित प्रौद्योगिकियों पर अत्यधिक निर्भरता के परिणामस्वरूप डेटा उपनिवेशीकरण और डिजिटल तानाशाही की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में उत्पन्न होने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कीजिए और उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

Too much dependence on data driven technologies can result in data colonisation and digital dictatorship. Discuss the various issues that may arise in this context and suggest remedial measures. (Answer in 150 words)10

डेटा उपनिवेशीकरण ऐसी स्थिति है जिसमें किसी देश के महत्वपूर्ण डेटा पर अन्य देश का नियंत्रण होता है फलतः उस डेटा का उपयोग शोषणकारी नीतियां बनाने के लिए किया जाता है।

जबकि डिजिटल तानाशाही में डेटा पर नियंत्रण कुछेक MNCs (जैसे- गूगल, अमेजन फेसबुक, एप्पल आदि) का ही होता है।

डेटा के बढ़ते उपयोग के कारण इसे 'भविष्य का सोना' कहा जाने लगा है।

विभिन्न मुद्दे

① गोपनियता → व्यक्तिगत डेटा पर विदेशी कंपनी के नियंत्रण से गोपनियता के उल्लंघन का डर।

उदा.— मेटा पर करोड़ों लोगों के डेटा को बेचने

का आरोप।

② कुछ ही बहुराष्ट्रीय कंपनियों का data पर नियंत्रण → इनकी तानाशाही करने की संभावना

③ व्यक्तिगत डेटा पर नियंत्रण से लोगों की पसंद को प्रभावित किया जा सकता है।

* उपचारात्मक उपाय

① EU के अधिनियम की तर्ज पर 'डेटा प्रोटेक्शन बिल' की आवश्यकता।

② डेटा के विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा दिया जाए।

③ 'डेटा के सीमा पार हस्तांतरण के लिए वैश्विक स्तर पर मानक स्थापित करने की आवश्यकता है।

④ लोगों के मध्य जागरूकता बढ़ायी जाए।

* भविष्य में data का उपयोग और ज्यादा बढ़ेगा अतः भारत को भी 'Big data' जैसी तकनीकों में शोध को बढ़ावा देना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(a)** पूर्वाग्रह और भेदभाव को जब दूर नहीं किया जाता है तो इनमें संघर्षों को हिंसा में बदलने की क्षमता होती है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

Prejudice and discrimination when left unaddressed have the potential to turn conflicts into violence. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

पूर्वाग्रह से तात्पर्य किसी व्यक्ति या विषय के प्रति अनुचित धारणा का होना है जो आमतौर पर नकारात्मक होती है।

जबकि भेदभाव से तात्पर्य किसी व्यक्ति द्वारा पूर्वाग्रहित विचारों के आधार पर आचरण करना है।

जैसे → भारतीय जाति व्यवस्था में दलितों को हीन माना जाना (पूर्वाग्रह) इसके आधार पर उन्हें सार्वजनिक कुएँ से पानी न भरने देना। (भेदभाव)

पूर्वाग्रह व भेदभाव से संघर्ष व हिंसा,

① लिंग आधारित पूर्वाग्रह व भेदभाव → कार्यस्थल पर यौन शोषण जैसी घटनाओं को बढ़ावा देता है।

② जाति आधारित भेदभाव → बिहार के बेलछी में सन् 1973 में दलितों को जिंदा जला

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दिया जाना।

③ धर्म आधारित पूर्वाग्रह → दिल्ली में हुए हिंदू- मुस्लिम दंगे इसके अलावा 'Cow vigilant' जैसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार।

④ नस्ल आधारित पूर्वाग्रह → अमेरिका में अश्वेतों के खिलाफ होने वाली हिंसा के लिए जिम्मेदार।

इस तरह पूर्वाग्रह व भेदभाव को अभिवृत्ति परिवर्तन, बाध्यकारी संपर्क, भूमिका परिवर्तन तथा तथ्यों की खोज के माध्यम से दूर किए जाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) हालांकि, 'मी टू मूवमेंट' ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के संबंध में कुछ असंतोष की ध्वनि पैदा करने में मदद की है, लेकिन यह भारत में कार्य संस्कृति पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने में विफल रहा है। क्या आप सहमत हैं?

Though the 'Me Too Movement' helped in creating some murmur with respect to sexual harassment of women at workplace, it has failed to create a lasting positive impact on the work culture in India. Do you agree? (Answer in 150 words) 10

मी टू मूवमेंट एक online आंदोलन था जिसमें महिलाओं द्वारा 'सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ हुए यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठायी गई।

सकारात्मक प्रभाव

1. महिलाओं के खिलाफ हुए यौन शोषण को सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त करने का साहस प्रदान किया।
2. 'सार्वजनिक रूप से 'टैबू' माने जाने वाले विषय पर सार्वजनिक चर्चा को बढ़ावा दिया।
3. कार्यस्थल पर यौन शोषण अधिनियम 2013 के प्रावधानों को कड़ाई से लागू करने के लिए बाध्य किया।

हालांकि यह आंदोलन आरंभिक सफलता के बाद कमजोर पड़ गया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जिसके लिए निम्न कारण जिम्मेदार थे →

1. ~~कई~~ अधिकांश आरोप कई वर्ष पुराने थे अतः जाँच में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

2. कई बड़ी हस्तियों पर कुछ झूठे आरोप भी लगाए गए।

3. केवल सोशल मीडिया पर आवाज → औपचारिक शिकायत नही की गई।

4. आवाज उठाते समय आरोपों के पक्ष में पर्याप्त तथ्यों का अभाव।

हालांकि इस आंदोलन ने कई महिलाओं को उनके खिलाफ हुए शोषण को उठाने के लिए प्रेरित किया।

SECTION – B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप लगभग 15 वर्षों से एक प्रसिद्ध व्यावसायिक सलाहकार कंपनी में काम कर रहे हैं और आपको वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर पदोन्नत किया गया है। मीरा नाम की आपकी एक कनिष्ठ सहकर्मी है, जिसे आप समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। आपके मार्गदर्शन के साथ-साथ उसने कंपनी में जो समय और सहयोग दिया है, उसने उसे संगठन में पेशेवर रूप से तेजी से उन्नति करने हेतु प्रेरित किया है। काम का माहौल भी उसके विकास के अनुकूल रहा है। इस बीच, मीरा की माता पिछले कुछ वर्षों से बीमार हैं और उन्हें चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता है। समय के साथ उसके चिकित्सीय व्यय में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

हाल ही में, मीरा को आपके बॉस द्वारा यौन उत्पीड़न के एक असहज अनुभव का सामना करना पड़ा, जिसके बारे में उसने कंपनी के मानव संसाधन विभाग (HRD) को तुरंत सूचना दी। संबंधित बॉस का कंपनी की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और वह कंपनी के भीतर एवं बाहर भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। उन्होंने मीरा को इस मुद्दे के निपटारे के लिए अप्रत्यक्ष रूप से एक बड़ी राशि की पेशकश की है। अगर मीरा उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है, तो उसे एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा जो मीरा को इस मुद्दे को फिर से खोलने या इसके बारे में चर्चा करने से रोकता है। मीरा को पता चला है कि संबंधित बॉस पहले भी इस तरह की हरकतों में शामिल रहा है। कंपनी में उसके पद और उसके संबंधों को देखते हुए, मीरा को लगता है कि वह भविष्य में उसके करियर के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन उसे पैसों की भी सख्त आवश्यकता है।

दी गई परिस्थितियों में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) इस मामले में शामिल मुख्य हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त मामले में सत्यनिष्ठा और नैतिकता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिए।
(c) मीरा के पास कौन-से अन्य विकल्प उपलब्ध हैं? उसे किस विकल्प का चयन करना चाहिए और क्यों?

You have been working in a well-known business consultancy company for nearly 15 years and have been promoted to a senior executive level. You have a junior colleague, named Meera, whom you have been mentoring from time to time. The time and effort she has invested in the company along with your guidance has led her to rapidly grow professionally in the organisation. The work environment has also been conducive for her growth. Meanwhile, Meera's mother has been ill and requiring medical attention for the past few years. Her medical bills have been increasing rapidly over time.

Recently, Meera encountered an uncomfortable experience of sexual advances at the hands of your immediate boss, which she reported to Human Resources Department (HRD) of the company instantly. The concerned boss has been instrumental in the success of the company and is also well-connected within the company and beyond. He has indirectly offered a large amount for the settlement of this issue to Meera. If Meera accepts his offer, she will have to sign a non-disclosure agreement that restricts her from re-opening the issue or even discussing

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

about it. She came to know that the concerned boss has been involved in similar acts earlier as well. Given his position in the company and his connections, Meera feels that he could be a threat to her career in the future. She is also in dire need of money.

In the given circumstances, address the following:

(a) Identify the main stakeholders involved in this case.
(b) Highlight the issues related to integrity and ethics in the case above.
(c) What are the various options available to Meera? Which option should she choose and why? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त प्रकरण 'कार्यस्थल पर यौन शोषण' की समस्या से संबंधित है। इसके लिए भारत में 'कार्य स्थल पर यौन शोषण अधिनियम (POSH) 2013 का प्रावधान किया गया है।

(a) हितधारक →

1. मीरा (यौन उत्पीड़ित)
2. व्यावसायिक सलाहकार कंपनी का बॉस (उत्पीड़नकर्ता)
3. मीरा की माता (बीमार)
4. मैं स्वयं (मीरा को समय-2 पर मार्गदर्शन)
5. कंपनी का मानव संसाधन विभाग
6. बॉस से उत्पीड़ित अन्य कर्मचारी

(7) संस्थान के रूप में व्यावसायिक सलाहकार कंपनी।

(b) सत्यनिष्ठा व नैतिकता संबंधी मुद्दे

(1) बॉस द्वारा पद का दुरुपयोग
(2) कार्यस्थल पर यौन शोषण की समस्या
(3) मीरा के समक्ष दुविधा → माँ के इलाज के लिए पैसों की जरूरत पर यौन उत्पीड़न
(4) कंपनी में 'स्वास्थ्य बीमा' के प्रावधान का अभाव (संभवतः)

(c) मीरा के पास उपलब्ध विकल्प,

(1) गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर

(गुण) → इससे मीरा को माँ के इलाज हेतु पर्याप्त धनराशि की प्राप्ति हो जाएगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष → बॉस द्वारा अनुचित व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा तथा वह भविष्य में ऐसे अन्य कर्मचारियों का भी शोषण कर सकता है।

② गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर से इंकार तथा मानव संसाधन विभाग से जाँच आगे बढ़ाने का अनुरोध →

(गुण) → इससे मीरा के साथ हुए शोषण की स्वतंत्र जाँच सुनिश्चित होगी

- दोषी को सजा मिल सकेगी।
- कार्यस्थल पर उचित संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

(दोष) → बॉस अपनी स्थिति का फायदा उठाकर जाँच को प्रभावित कर सकता है।

- मीरा को अपनी माँ के इलाज में वित्तीय संकट का सामना करना पड़ सकता है।

* कौनसे विकल्प का चयन →

- मेरे अनुसार मीरा को दूसरे विकल्प का चयन करना चाहिए क्योंकि इससे कंपनी में कार्यस्थल पर यौन शोषण की घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी फलतः महिला कर्मचारियों के लिए स्वस्थ कार्य संस्कृति का निर्माण होगा। साथ ही मीरा के खिलाफ हुए शोषण के लिए अपराधी को सजा भी मिल सकेगी।

मीरा द्वारा माँ के इलाज हेतु आयुष्मान भारत जैसी योजना या बैंक ऋण के माध्यम से इलाज करवाया जा सकता है।

इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए POSH Act 2013 के प्रावधानों का कठोरता से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. आप हाल ही में एक फार्मास्यूटिकल कंपनी में शामिल हुए हैं वहां आपका पद रीजनल सेल्स मैनेजर का है। आपको एक वर्ष के लिए बिक्री लक्ष्य दिया गया है, जो आपके आकलन के अनुसार असामान्य रूप से अधिक है। हालांकि, बाजार का सर्वेक्षण करने पर, आपने पाया है कि प्रतियोगी ऐसे लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं। गहन विश्लेषण करने पर, आपको डॉक्टरों को उनके मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स द्वारा उपहार, भुगतान और आतिथ्य लाभ देने की अनैतिक प्रथाओं के बारे में पता चलता है। यह यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल्स मार्केटिंग प्रैक्टिस द्वारा प्रतिबंधित है। आपने इस संबंध में नेशनल सेल्स मैनेजर से संपर्क किया लेकिन उन्होंने जारी किए गए लक्ष्यों को किसी भी कीमत पर प्राप्त करने का संकेत दिया है। आपने डॉक्टरों को अनैतिक प्रोत्साहन देने की प्रथा में शामिल न होते हुए एरिया सेल्स मैनेजर्स को अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन प्रोत्साहनों और लाभों को दिए बिना लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थता संबंधी अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है।

(a) इस संदर्भ में, आपके द्वारा किन नैतिक दुविधाओं का सामना किया जा रहा है?
(b) आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों के गुणों और दोषों पर चर्चा कीजिए? आप इन विकल्पों में से किसका और क्यों चयन करेंगे?
(c) फार्मास्यूटिकल क्षेत्रक के पास अपने उत्पादों के विपणन के लिए कौन-से नैतिक विकल्प उपलब्ध हैं?

You have recently joined as a Regional Sales Manager of a pharmaceutical company and have been given a sales target for the year, which is unusually high as per your assessment. On surveying the market, however, you have observed that the competitors are achieving such targets. On a deeper analysis, you come across unethical practices of giving gifts, payments and hospitality benefits to doctors by their medical representatives. This is prohibited by the Uniform Code of Pharmaceuticals Marketing Practices. You contacted the National Sales Manager in this regard but he hinted at achieving the released targets at whatever cost. You directed the Area Sales Managers to meet their respective targets while not engaging in the practice of unethical incentives to the doctors. They have communicated their concerns regarding their inability to meet the targets without provision of these perks and benefits.

(a) What are the ethical dilemmas being faced by you in this context?
(b) Discuss the merits and demerits of the options available to you? Which of these will you choose and why?
(c) What are the ethical alternatives available to the pharmaceutical sector to market their products? (Answer in 250 words)20

उपरोक्त प्रकरण फार्मास्यूटिकल कंपनियों द्वारा लाभ कमाने के लिए अपनाई जाने वाली अनैतिक प्रथाओं से संबंधित है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

* हितधारक – ① रीजनल सेल्स मैनेजर के रूप में मैं स्वयं
② नेशनल सेल्स मैनेजर
③ एरिया सेल्स मैनेजर
④ अनैतिक प्रथाओं में लिप्त सेक्टर
⑤ फार्मा सेक्टर

(a) मेरे समक्ष नैतिक दुविधाएं

① व्यावसायिक नैतिकता बनाम कंपनी को लाभ

② व्यक्तिगत मूल्य बनाम कंपनी द्वारा दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति।

③ फार्मा सेक्टर में व्याप्त अनैतिक प्रथाएं

④ अन्य प्रतियोगी कंपनियों को अनुचित लाभ बनाम अनैतिक प्रथाओं को अपनाना।

(b) मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प

① नेशनल सेल्स मैनेजर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करना तथा किसी भी तरह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बिक्री लक्ष्य की प्राप्ति →

(गुण) → • बिक्री लक्ष्यों की प्राप्ति से कंपनी को मुनाफा

• लक्ष्यों की प्राप्ति से मेरी वेतन वृद्धि व पदोन्नति की संभावना

(दोष) → • इससे फार्मा सेक्टर में अनुचित प्रथाओं को बढ़ावा मिलेगा।

• जनता पर नकारात्मक प्रभाव।

(2) नेशनल सेल्स मैनेजर द्वारा दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अनुचित प्रथाओं की पालना से इंकार

गुण → • इससे मुझे व्यक्तिगत स्तर पर मेरे मूल्यों में विरोधाभास का सामना नहीं करना पड़ेगा।

(दोष) • कंपनी द्वारा दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो सकेगी।

• इससे कंपनी को घाटा → फलतः शेयरहोल्डर्स को नुकसान।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) एरिया सेल्स मैनेजर्स को अनुचित प्रथा न अपनाने का निर्देश तथा राष्ट्रीय मेडिकल आयोग के समक्ष फार्मा सेक्टर की समस्या को उठाकर जाँच का अनुरोध →

(गुण) → • इससे फार्मा सेक्टर की समस्या का समाधान किया जा सकता है।
• व्यक्तिगत मूल्यों से भी compromise करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

(दोष) → • कंपनी द्वारा दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो सकेगी।

मैं इन विकल्पों में से 'तीसरे' विकल्प का चयन करूँगा क्योंकि इससे फार्मा सेक्टर में व्याप्त अनैतिक प्रथाओं पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही इसका प्रभाव जनता पर भी पड़ेगा क्योंकि इससे उनके पास चयन हेतु उपलब्ध विकल्पों की संख्या बढ़ेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ⓒ उत्पादों के विपणन हेतु नैतिक विकल्प

① विज्ञापनों की मदद से जनता के मध्य उत्पादों के फायदों के संबंध में जागरूकता फैलाना।

② सोशल मीडिया के माध्यम से विपणन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

③ डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट्स का फायदा बताकर इसके लाभ को जनता तक पहुंचाया जा सकता है।

④ जागरूकता अभियान के माध्यम से।

इस तरह फार्मा सेक्टर में अनुचित प्रथाओं को रोकना वर्तमान की जरूरत है।

9. लोक सेवकों को आमतौर पर सरकार की योजनाओं और नीतियों को पर्दे के पीछे रहकर संचालन करने वाले अभिकर्ताओं के रूप में माना जाता है। स्थायी कार्यकारी होने के नाते, इनसे उम्मीद की जाती है कि ये सुर्खियों में आए बिना अपने कार्यों का निर्वहन करें, जबकि यह राजनेताओं पर निर्भर है कि वे अपने राजनीतिक कृत्यों के लिए सुर्खियों में रहें। हालांकि, हाल के दिनों में एक प्रवृत्ति विकसित हो रही है जिनमें लोक सेवकों, विशेष रूप से युवा लोक सेवकों ने नियमित रूप से अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ अधिकारियों ने लोकप्रियता का वह स्तर हासिल कर लिया है जो भारत में मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों के लगभग समान है।

सोशल मीडिया पर मौजूद इन अधिकारियों में से अधिकांश का तर्क है कि इससे उन्हें लोगों से जुड़ने में मदद मिलती है और युवा पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है। हालांकि, कई वरिष्ठ लोक सेवक इस तरह की प्रवृत्ति का कड़ा विरोध करते हैं। उनका मानना है कि ऐसे अधिकारियों द्वारा साझा की गई कुछ सामग्री केवल पब्लिसिटी लेने के लिए होती हैं, ये लोक सेवाओं के 'सिद्धांतों' का उल्लंघन करती हैं और यहां तक कि उनके स्वयं के करियर के साथ-साथ समग्र रूप से सेवा के लिए भी हानिकारक हो सकती हैं। युवा अधिकारियों को विभिन्न माध्यमों से सलाह दी जा रही है कि वे अपनी छवि को फिल्मस्टार जैसा बनाने से बचें।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(a) लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) लोक अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है?

Civil servants are usually considered as the behind-the-scenes operators of plans and policies of the government. Being the permanent executive, they are expected to work without getting into the limelight while it is up to the politicians to hog the limelight for their political ends. But in recent times, a trend is developing where civil servants, especially younger ones, have taken to social media to post their day-to-day activities on a regular basis. Some studies suggest that some of the officers have attained a level of popularity that does not trail too far behind celebrities and influencers in India.

Most of these officers with social media presence argue that this helps them connect with the people and also inspire the younger generation. However, many senior civil servants strongly oppose such a trend. They believe that some of the content shared by such officers is excessively publicity-seeking, violates the 'principles' of the civil services, and may even be disadvantageous to their own career as well as the service as a whole. There have been calls from various quarters advising the young officers to desist from creating a filmstar like image of themselves.

In this context, answer the following questions.

(a) What are the ethical issues associated with the excessive use of social media by civil servants?

(b) How can social media be effectively utilized by public officials? (Answer in 250 words) 20

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान में सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से लोक सेवक भी अछूते नही रहे हैं। हालांकि उनके द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग के विरुद्ध आवाजें भी उठने लगी हैं।

(a) नैतिक मुद्दे

① अनामिकता के सिद्धांत का उल्लंघन → लोक सेवक का मुख्य उद्देश्य पर्दे के पीछे रहते हुए नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

② संवेदनशील सूचनाओं के उजागर होने का डर → जैसे कि गुजरात चुनावों के दौरान अभिषेक सिंह द्वारा अपनी फोटो सोशल मीडिया का पोस्ट करना।

③ सिविल सेवा का महिमामंडन → इससे युवा वर्ग में सिविल सेवा की तरफ अनुचित आकर्षण बढ़ता है।

④ कार्य पर अनुचित दबाव → प्रत्येक सूचना को सोशल मीडिया पर डालने से फॉलोअर्स

की मांगो का दबाव बढ़ता है।

(5) इससे लोक सेवकों के मध्य भी 'लाइक पाने की होड़' बढ़ सकती है।

हालांकि सोशल मीडिया के उपयोग के कुछ सकारात्मक पहलू भी हैं →

(1) इससे feedback तंत्र को सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

(2) प्रशासन व जनता के मध्य दूरी में कमी

(3) आपदा के दौरान ' तेजी से जागरूकता के प्रसार का माध्यम बनाया जा सकता है।

(4) 'शिकायत निवारण तंत्र' को मजबूत बनाने में मददगार हो सकता है।

(5) जनता की समस्याओं से प्रत्यक्षतः रूबरू हुआ जा सकता है।

(B) प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे?

(1) इस संबंध में 'सिविल सेवा आचरण नियमावली' में उचित संशोधन किया जाए।

(2) नियम बनाकर 'Do's तथा Don'ts' को स्पष्ट किया जाए।

(3) ट्रेनिंग के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए कि संवेदनशील सूचनाओं का प्रकटीकरण न किया जाए।

(4) सोशल मीडिया का उपयोग 'फेम' पाने की बजाए जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

(5) इसके माध्यम से शासन में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है।

(6) व्यक्तिगत तथा आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को अलग-अलग किया जाए।

इस तरह सोशल मीडिया पर पूर्णतः बैन लगाने की बजाए नियम बनाकर उसके सीमित/प्रबंधित उपयोग को बढ़ावा देकर समावेशी लोकतंत्र सुनिश्चित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. आप एक युवा आई. ए. एस. अधिकारी हैं और हाल ही में एक ऐसे जिले में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित हुए हैं जिसे "खुले में शौच मुक्त" घोषित किया गया है। हालांकि, आपको जानकारी मिलती है कि आपके सब-डिविजन के कुछ गांवों में शौचालयों की उपलब्धता के बावजूद अभी भी खुले में शौच करने की प्रथा जारी है। जिला प्रशासन में आपके सहयोगी इस जानकारी की सत्यता की पुष्टि करते हैं। आप इन गांवों के ग्राम प्रधानों को बुलाते हैं और उनसे कहते हैं कि वे अपने-अपने ग्रामीणों को खुले में शौच न करने के लिए राजी करें। लेकिन, वे इस प्रथा को पूरी तरह से बंद करने में अपनी अनिच्छा और असमर्थता व्यक्त करते हैं, क्योंकि वे कुछ मामलों में स्वयं खुले में शौच करने को सही मानते हैं। आप इस मामले पर जिलाधिकारी से चर्चा करते हैं जो आपको कोई भी आधिकारिक कार्रवाई करने से मना कर देते हैं, क्योंकि इससे जिले को दिया गया 'खुले में शौच मुक्त' का दर्जा वापस लिया जा सकता है।

एक युवा और सक्रिय अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) घर में शौचालय होने के बाद भी लोग खुले में शौच क्यों करते हैं?
(b) इस प्रकरण में एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक विकल्प के गुणों और दोषों पर प्रकाश डालिए।
(c) आप क्या कार्रवाई करेंगे?

You are a young IAS officer and have recently joined as a Sub-Divisional Magistrate in a district, which has been declared 'open defecation free'. However, you get information that some villages in your sub-division are still continuing the practice of open defecation out of habit despite availability of toilets. Your colleagues in the district administration confirm that the information is true. You call the village headmen of these villages and tell them to persuade their respective villagers to stop open defecation. But, they express their unwillingness and inability to fully stop this practice, as in some cases they themselves consider it healthy to defecate in the open. You discuss this matter with the District Magistrate who forbids you from taking any official action, as this may cause the 'open defecation free' status given to the district to be withdrawn.

As a young and dynamic officer, answer the following:

(a) Why do people continue to practice open defecation even when they have access to toilets?
(b) What are the options available to you as the Sub-Divisional Magistrate in this case? Highlight the merits and demerits of each option.
(c) What will be your course of action? (Answer in 250 words)20

भारत सरकार द्वारा 'स्वच्छ भारत मिशन' के माध्यम से शौचालयों के निर्माण को बढ़ावा देकर 'खुले में शौच से मुक्ति का प्रयास

किया जा रहा है।

(a) खुले में शौच के कारण

(1) मानसिकता का प्रभाव → ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच को 'ताजी हवा' से जोड़ा जाता है।

(2) कई घरों में मँदिर की उपस्थित घर में शौच करने से रोकती है।

(3) सार्वजनिक शौचालयों में सफाई का अभाव।

(4) बड़े-बुजुर्गों द्वारा उनके बचपन से खुले में शौच करने के कारण इसके प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का होना।

(5) गाँवों में इसे रोकने के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र का अभाव।

(6) ग्रामीण संस्कृति में 'खुले में शौच को 'खेतों के लिए प्राकृतिक खाद के रूप में माना जाना।

(B) SDM के रूप में मेरे सामने उपलब्ध विकल्प

① मामले में पूरी तरह चुप्पी साध लेना।

(गुण) → • इससे जिले का 'ODF' tag बना रहेगा।
• जिलाधिकारी के साथ बेहतर संबंध।

(दोष) → • इससे गाँवो में खुले में शौच की समस्या का समाधान नही हो पायेगा।

② संबंधित मंत्रालय के समक्ष मुद्दे को उठाकर ODF के टैग को वापस लेने का अनुरोध →

(गुण) → इससे गाँवों में • खुले में शौच के विरुद्ध अभियान चलाया जा सकेगा।
• मंत्रालय से इस संबंध में उचित वित्तीय प्रोत्साहन की भी प्राप्ति हो सकेगी।

(दोष) • जिलाधिकारी से संबंधो में कटुता → भविष्य में नुकसान
• मीडिया द्वारा प्रशासन की नकारात्मक

छवि बनायी जा सकती है।

③ ग्राम प्रधान, ग्राम सभा व NGO, की मदद से ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवहार परिवर्तन हेतु अभियान →

(गुण) → इससे गाँवों की समस्या का उचित समाधान किया जा सकेगा।
• जिले का ODF टैग भी बना रहेगा।

(दोष) → ~~कोई~~ प्रत्यक्ष कोई नहीं।

ⓒ ① सर्वप्रथम पूरे जिले में 'खुले में शौच' संबंधी सर्वे करवाकर ज्यादा प्रभावित ~~जिलों~~ क्षेत्रों की मैपिंग।

② उसके पश्चात इन गाँवों के ग्राम प्रधानों को बुलाकर उन्हें 'प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन' के माध्यम से टारगेट प्रदान करना।

③ गाँवों में निगरानी समितियों का गठन ताकि ग्रामीणों को बाहर शौच जाने से

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

रोका जा सके।

(4) सार्वजनिक शौचालयों में सफाई की बेहतर व्यवस्था।

(5) जागरूकता अभियानों की मदद से खुले में शौच के दुष्प्रभावों से लोगों को अवगत करवाकर उनमें व्यवहारात्मक परिवर्तन का प्रयास करना।

11. आप एक ऐसे जिले के जिलाधिकारी हैं, जो इंजीनियरिंग के साथ-साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के कोचिंग संस्थानों का एक हब है। हाल ही में, लगभग 5 छात्रों ने शैक्षणिक और सामाजिक दबाव के कारण आत्महत्या कर ली है। देश भर से 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के अनेक छात्र IIT और AIIMS जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने का सपना लेकर जिले में आते हैं। हालांकि, कोचिंग संस्थान व्यवसायिक मानसिकता से कार्य करते हैं और चाहते हैं कि टॉपर्स उनके संस्थान के ही हों ताकि वे और अधिक छात्रों को आकर्षित कर सकें। वे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए छात्रों पर बहुत अधिक दबाव बनाते हैं, छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग श्रेणी के बैच बनाने जैसे भेदभावपूर्ण व्यवहार करते हैं। ये छात्र पेइंग गेस्ट के रूप में और अपने परिवारों से दूर हॉस्टल में रहते हैं तथा उनमें से कई प्रतियोगिता के भारी बोझ और उससे जुड़े मानसिक तनाव का सामना करने में सक्षम नहीं होते हैं।

हाल ही में, 5 छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या की घटनाओं को राष्ट्रीय मीडिया द्वारा उजागर किया गया है और आपको मुख्यमंत्री द्वारा स्थिति की रिपोर्ट पेश करने तथा मामले में उचित कदम उठाने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने आपको इस मामले को लाइमलाइट से दूर रखने के लिए भी कहा है ताकि कोचिंग संस्थान अपना कारोबार करते रहें और अपने लिए तथा राज्य के लिए राजस्व उत्पन्न करते रहें। जांच करने पर, आपको पता चलता है कि 2-3 सबसे प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक नेताओं द्वारा चलाए जा रहे हैं। वे छात्रों को लुभाने के लिए झूठे विज्ञापनों का सहारा ले रहे हैं। वे छात्रों पर प्रदर्शन करने के लिए अनुचित दबाव भी बनाते हैं। इसके अलावा, प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं का एक अवैध बाजार भी उभर रहा है और यह छात्रों के बीच काफी प्रचलित है।

स्थिति को देखते हुए:

(a) इसमें शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिए और दिए गए प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) दी गई स्थिति में, आप क्या कार्रवाई करेंगे?

(c) छात्रों के बीच आत्महत्या के मामलों में वृद्धि के विभिन्न कारणों पर चर्चा करते हुए, इस मुद्दे के दीर्घकालिक समाधान के लिए उपाय सुझाइए।

You are the District Magistrate of a district, which is the hub of coaching centres for engineering as well as medical entrance exams. Recently, around 5 students have committed suicide owing to academic and social pressure. Students in the age group 15-18 years from across the country come to the district with the dream of getting admission into prestigious institutions like the IITs and AIIMS. However, the coaching institutes are business-minded and want to have toppers from their institute so that they can attract more students. They create a lot of pressure on students to perform, with differential treatment like forming different category of batches depending on students' performance. These students live as Paying Guests and in hostels away from their families and many cannot tackle the huge burden of competition and the associated mental stress.

The recent spate of suicide by 5 students has been highlighted by the national media and you have been asked by the Chief Minister to present a report of the situation and take steps on the matter. The Chief Minister has also asked you to keep the matter away from limelight so that the coaching centres continue with their business and generate revenue for themselves as well as the state. Upon

investigation, you find out that 2-3 of the most famous coaching institutions are run by political leaders of the ruling party. They are involved in false advertisements in order to lure students. They also create undue pressure on the students to perform. Also, there is an emerging black market for performance enhancing drugs, which have become common among the students.

Given the situation:

(a) Highlight the stakeholders involved and discuss the associated ethical issues in the given case.
(b) Given the situation, what will be your course of action?
(c) Discussing the various reasons for increased cases of suicides among students, suggest measures to address the issue in the long-run. (Answer in 250 words)20

राजस्थान के कोटा जिले में पिछले 10 माह में 18 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। यह हमारी शिक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर करने के साथ-साथ समाज की विफलता को दर्शाता है।

(a)

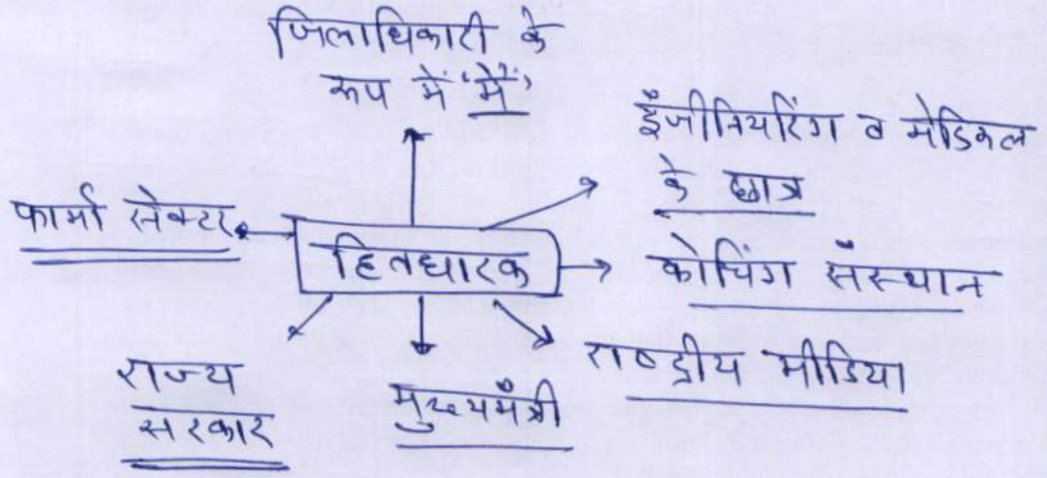

* नैतिक मुद्दे

(1) शैक्षणिक व सामाजिक दबाव में छात्रों द्वारा आत्महत्या।

(2) कोचिंग संस्थानों द्वारा व्यावसायिक लाभ हेतु भेदभावपूर्ण व्यवहार

(3) प्रदर्शन बढाने वाली दवाओं का अवैध बाजार (झूठा वादा)

(4) सरकार द्वारा स्थिति की गंभीरता को समझे बिना 'राजस्व' पर अधिक जोर

(5) राजनेताओं द्वारा व्यक्तिगत लाभ हेतु झूठे विज्ञापनों का सहारा

(6) शिक्षा व्यवस्था में नीहित कमियाँ

(B) मेरी कार्यवाही

(1) जाँच कमेटी का गठन कर → निष्पक्ष जाँच करने का आदेश दूँगा।

(2) जाँच की findings के आधार पर दोषियों

पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

③ मीडिया से अनुरोध करूंगा की मामले की संवेदनशीलता के अनुसार रिपोर्टिंग की जाए।

④ भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित फ्रेमवर्क का निर्माण करूंगा।

ⓒ आत्महत्या में वृद्धि के कारण

① कम उम्र में छात्रों की परिवार से दूरी → इससे मानसिक तनाव बढ़ता है।

② सामाजिक दबाव व फेल होने का डर

③ समाज में परीक्षा की विफलता को जीवन की विफलता से जोड़ा जाना।

④ शिक्षा व्यवस्था में निहित कमियाँ → रटंत शिक्षा पर ज्यादा जोर।

⑤ मानसिक अकेलापन

⑥ देश में मनोचिकित्सकों की पर्याप्त संख्या का अभाव।

⑦ मानसिक तनाव → इसे बीमारी व कमजोरी के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रूप में माना जाना।

★ दीर्घकालीन समाधान

① शिक्षा व्यवस्था में सुधार → व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रैक्टिकल ज्ञान को बढ़ावा दिया जाए।

② मनोचिकित्सकों की संख्या बढ़ायी जाए।

③ मानसिक स्वास्थ्य पर सार्वजनिक चर्चा को बढ़ाया जाए।

④ ~~कोचिंग~~ छात्रों व परिजनों की समय-समय पर मानसिक स्वास्थ्य की जाँच की जाए।

⑤ कोचिंग संस्थानों को उचित कानून के माध्यम से रेगुलेट किया जाए।

इस तरह छात्रों के बीच आत्महत्या को रोका जा सकता है।

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. आप हाल ही में भारत के एक महानगर में जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। हाल ही में, एक ऐसी घटना हुई थी जिसमें दो गरीब लोगों की शहर के एक पॉश मोहल्ले में सीवर की जोखिमपूर्ण सफाई के दौरान मौत हो गई थी, जिसमें शहर के शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुख रहते थे। प्रारंभिक रिपोर्ट में पाया गया कि उक्त मोहल्ले के कुछ निवासियों ने स्थानीय शहर प्रशासन की जानकारी के बिना सीवर की सफाई के लिए निजी कर्मचारियों को नियुक्त किया था।

संबंधित निवासियों के साथ-साथ दोनों मृत लोगों को काम पर नियोजित करने वाले निजी ठेकेदार के खिलाफ उनकी लापरवाही के कारण हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। यह शिकायत उस मोहल्ले के निवासियों के लिए एक चौंकाने वाली घटना थी, जिनमें से अधिकांश ने पहले कभी कानूनी कार्यवाई का सामना नहीं किया था।

जांच के दौरान मोहल्ले के लोगों ने शिकायत की कि स्थानीय प्रशासन लंबे समय से सीवरों की सफाई नहीं करा रहा है, जिसके कारण उन्हें निजी कर्मचारियों को काम पर रखना पड़ा। आपको यह भी पता चला है कि नगर प्रशासन में मेंटेनेंस कार्यों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिसका आज तक कोई समाधान नहीं हुआ है। समग्र रूप से नगर प्रशासन भी आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और सीवेज सफाई से संबंधित कार्य करने के लिए सुरक्षात्मक गियर प्रदान करने के लिए धन की कमी का सामना कर रहा है।

दूसरी तरफ, मृतक के परिजनों ने मुआवजे के लिए सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। साथ ही, मीडिया ने भी इस घटना के लिए नगर प्रशासन की उदासीनता को जिम्मेदार मानते हुए हंगामा किया हुआ है और मोहल्ले के हाई प्रोफाइल निवासियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों को वापस लेने के लिए दबाव बना हुआ है।

उपर्युक्त स्थिति के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) संबंधित मुद्दों के साथ प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

(c) भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आप कौन-से दीर्घकालीन उपाय करेंगे?

You have recently joined as the Chief Executive Officer of the Water Supply and Sewerage Board in a metropolitan city of India. Recently, there was an incident where two poor people died while undertaking hazardous cleaning of sewers in a posh neighbourhood, housing top corporate honchos of the city. The preliminary report found that a few residents in the said neighbourhood employed private workers to clean the sewers without the knowledge of the local city administration.

A complaint for causing death by negligence has been registered against the concerned residents as well as the private contractor through whom these poor people were employed to carry out the task. The complaint has come as a shock to the residents of the neighbourhood, most of whom never had a brush with the law before.

During the investigation, the residents of the neighbourhood complained that the local administration has not been cleaning sewers for a long time, forcing them to hire private workers. You also come to know that there has been a confusion over the maintenance works in the city administration, with no resolution till date. The city administration, as a whole, has also been facing a shortage of funds to build

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

the requisite infrastructure and provide protective gears to carry out the sewage cleaning work. In the meantime, the family members of the deceased have started pressurising the government for compensation and there has also been a media blitzkrieg blaming the apathy of the city administration for the incident and pressure to withdraw the complaints registered against the high profile residents of the neighbourhood.

In light of the above situation, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders involved in the case along with the associated issues.
(b) Evaluate the options that are available to you in the given case. Which of these options will you choose and why?
(c) What will be the long-term measures you will take to prevent such an incident from occurring in the future? (Answer in 250 words) 20

हाथ से मैला ढोने की प्रथा पर रोक के बावजूद शहरों में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस से सफाई कर्मियों की मौत के मामलों में कमी नहीं आ पाई है।

(a) (मुद्दे)

(1) सफाई कर्मियों की जोखिमपूर्ण दशाओं के कारण मौत

(2) मोहल्ले के निवासियों द्वारा 'कानून' का उल्लंघन

(3) नगर प्रशासन की उदासीनता

(4) नगर प्रशासन के समक्ष धन की कमी

(5) मानवीय गरिमा का सवाल

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑥ प्रभावित परिवारों को 'उचित मुआवजा व न्याय दिलाना।

* हितधारक

① मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में मैं स्वयं

② मृत सफाईकर्मी

③ पॉश मोहल्ले के निवासी

④ स्थानीय ~~पुलिस~~ प्रशासन

⑤ पुलिस प्रशासन

⑥ प्रभावित परिवारों के सदस्य

⑦ निजी ठेकेदार

⑧ सरकार

ⓒ घटनाओं को रोकने हेतु उपाय,

① सीवरों की सफाई में केरल की तर्ज पर 'बंडिकूट' जैसे रोबोटों की सहायता की मदद से मशीनीकरण को बढ़ावा

② सीवेज की सफाई में संलग्न कर्मियों की पहचान कर उनका पुनर्वास किया जाए, कौशल उन्नयन + रोजगार के नए अवसर

③ उपलब्ध कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

④ प्रभावित परिवारों के बच्चों की छात्रवृत्ति के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जाए।

⑤ कानून के उल्लंघन का उचित व कठोर कार्यवाही

(B) उपलब्ध विकल्प

① प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देकर, मामले की निष्पक्ष जाँच हेतु समिति का गठन -

(गुण) → • इससे मामले की निष्पक्ष जाँच सुनिश्चित की जा सकेगी।

• प्रभावित परिवारों को समय पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भाग

(दोष) → जाँच में समय लग सकता है।

(2) पुलिस प्रशासन द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर संदिग्धों की गिरफ्तारी

(गुण) → मीडिया का दबाव कम होगा

(दोष) → निष्पक्ष जाँच प्रभावित हो सकती है।

* मैं इनमें से पहले विकल्प को चुनूँगा क्योंकि इससे निष्पक्ष जाँच सुनिश्चित होगी।